

प्रेषक,

प्रदीप सिंह रावत,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

गन्ना एवं चीनी आयुक्त,
उत्तराखण्ड, काशीपुर,
जनपद उधमसिंहनगर।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग-2

देहरादून

दिनांक 09 मार्च, 2015

विषय:- चीनी मूल्य के घटते हुए मूल्य से उत्पन्न विषम परिस्थितियों एवं गन्ना मूल्य भुगतान में आ रही कठिनाईयों को देखते हुए उत्तराखण्ड राज्य की निजी क्षेत्र की चीनी मिलों के पेराई सत्र, 2013-14 के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान हेतु अनुदान की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषय के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चीनी की दर बाजार में अपेक्षाकृत कम मिलने के कारण चीनी उद्योग के समक्ष उत्पन्न वित्तीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तथा किसानों के अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान की समस्या का समाधान कराये जाने की दृष्टि से श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जनपद में स्थित निजी क्षेत्र की चीनी मिलों कमशः -आर0बी0एन0 चीनी मिल लक्सर, लक्ष्मी शुगर मिल, इकबालपुर एवं उत्तम शुगर मिल, लिब्रहेड़ी पर पेराई सत्र, 2013-14 के देय अवशेष गन्ना मूल्य के सापेक्ष उक्त तीनों चीनी मिलों द्वारा पेराई सत्र, 2013-14 में पेराई किये गये गन्ने पर रू0-14.00 प्रति कुन्टल की दर से अतिरिक्त सहायता/रियायत दिये जाने हेतु कुल रू0-23,24,00,000.00 (रुपये तेईस करोड़ चौबिस लाख मात्र) की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) प्रतिपूर्ति दावा गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तराखण्ड को प्रस्तुत किया जायेगा एवं स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तराखण्ड द्वारा जनपद हरिद्वार की निजी क्षेत्र की चीनी मिलों कमशः- आर0बी0एन0 चीनी मिल लक्सर, लक्ष्मी शुगर मिल, इकबालपुर एवं उत्तम शुगर मिल, लिब्रहेड़ी द्वारा पेराई सत्र 2013-14 में किये गये कुल गन्ने की मात्रा का रू0-14.00 प्रति कुन्टल की दर से आगणन करते हुए गन्ना किसानों के खाते में सीधे उपलब्ध कराया जायेगा।
- (2) यदि किसी निजी चीनी मिल द्वारा पेराई सत्र, 2013-14 के देय अवशेष गन्ना मूल्य का भुगतान अपने स्रोतों से किया जा चुका है तो ऐसी चीनी मिल के गन्ना भुगतान के लिए अवमुक्त की जा रही धनराशि का समायोजन कर लिया जायेगा।
- (3) स्वीकृत की जा रही धनराशि निर्धारित मद में ही व्यय की जाय।
- (4) स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा अनुमोदित धनराशि सीमा तक ही किया जाय। इस शासनादेश में उल्लिखित धनराशि के आहरण वितरण तथा उपयोग की पूर्ण सूचना शासन को शीघ्र भेजी जायेगी। गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तराखण्ड द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित उपयोगिता प्रमाणपत्र भी अनिवार्यतः शासन/महालेखाकार को प्रेषित किया जायेगा।

५२/५॥५

2- अतः प्रस्तर-1 में उल्लिखित प्रथमतया: लेखाशीर्षक "8000-राज्य आकस्मिकता निधि-201 समेकित निधि से विनियोजन के नामे तथा अन्ततः अनुदान संख्या-17 के अन्तर्गत निम्नलिखित लेखाशीर्षक के नामे डाला जायेगा।

लेखाशीर्षक

धनराशि (हजार रुपये में)

अनुदान संख्या-17

"लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-

108 वाणिज्यिक फसलें-08-अवशेष गन्ना मूल्य भुगतान-

00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता" (N.P.)

232400

कुल योग- 232400

भवदीय,

(प्रदीप सिंह रावत)
अपर सचिव।

वित्त विभाग

संख्या : 24/(NP)/XXVII (1)/रा0आक0निधि/2015, दिनांक 08.03.2015 तददिनांकित।

प्रतिलिपि महालेखाकार (लेखा) उत्तराखण्ड, देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

(एल0एन0 पंत)
अपर सचिव।

संख्या : 193/(1)/XIV-2/2015, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- (1) जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- (2) सहायक गन्ना आयुक्त, हरिद्वार।
- (3) वित्त अनुभाग-4/बजट निदेशालय/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- (4) निजी सचिव, मा0 गन्ना मंत्रीजी को मा0 मंत्रीजी के संज्ञानार्थ।
- (5) प्रबन्धक निदेशक, उत्तराखण्ड शुगरर्स, देहरादून।
- (6) प्रधान प्रबन्धक/प्राधिकृत अधिकारी, निजी क्षेत्र की चीनी मिल-लक्सर, इकबालपुर एवं लिब्वरहेड़ी।
- (7) वरिष्ठ कोषाधिकारी, जनपद ऊधमसिंहनगर/उप-कोषाधिकारी, काशीपुर, जनपद ऊधमसिंहनगर।
- (8) निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- (9) मीडिया सेण्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- (10) गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(राजेन्द्र कुमार मद्दट)
अनु सचिव।